गन्ने से आय बढ़ाने पर आज विचार

नई दिल्ली। भारत में गन्ना के प्रथम अंतरजातीय संकर किस्म विकसित होने के 100 साल पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्रालय मंगलवार को दिल्ली में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयेजन कर रहा है। इसका उद्घाटन केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह करेंगे। आईसीएआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्ष 1912 में गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर की स्थापना के बाद वर्ष 1918 में गन्ने के प्रथम अंतरजातीय संकर किस्म की खोज की गई थी, जिसे कोयम्बटूर 205 नाम दिया गया था। यह किस्म तब के अविभाजित पंजाब समेत पूरे उत्तर भारत में बेहद सफल रहा था। इसने परंपरागत गन्ने की तुलना में 60 फीसदी अधिक पैदावार दी। संगोष्ठी में गन्ना किसानों की स्थिति एवं उनकी आमदनी बढ़ाने के उपायों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही गन्ना के क्षेत्र में होने वाले नवीनतम अनुसंधान के बारे में भी चर्चा होगी।